

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-36

दिनांक- शुक्रवार, 10 मई, 2024



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.4 एवं 20.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 64 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 32 प्रतिशत, हवा की औसत गति 13.2 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 6.2 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 22.4 एवं दोपहर में 37.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 17.2 मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

**(11-15 मई, 2024)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 11-15 मई, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमानित अवधि के अगले 24 घंटों तक मैदानी भागों के जिलों में हल्की वर्षा की सम्भावना बनी रहेगी। तराई के जिलों के अनेक स्थानों पर यह सम्भावना अगले 48 घंटों तक बनी रहेगी। उसके बाद वर्षा की सम्भावना कम हो जाएगी।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 21-23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 80 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 14 से 16 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

**समसामयिक सुझाव**

- अगले एक-दो दिनों तक वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यों में सतर्कता बरते। इस दौरान रबी मक्का की कटनी-दौनी नहीं करें।
- विगत कुछ दिनों में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा हुई है, जिसके चलते खेतों में प्रयाप्त नमी आ गई है, जो बुआई के लिए अनुकूल है। हल्दी की बुआई किसान भाई 15 मई से करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित हैं। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 60 से 75 किलोग्राम, स्फूर 50 से 60 किलोग्राम, पोटास 100 से 120 किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30-35 ग्राम जिसमें 4 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30x20 से०मी० तथा गहराई 5 से 6 से०मी० रखें। अच्छे उपज के लिए 2.5 ग्राम दार्थेन एम० 45+0.1 प्रतिशत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करें।
- वर्षा का लाभ उठाते हुए खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से करें।
- खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्रोत से करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं।
- अदरक की बुआई 15 मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित हैं। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, स्फूर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20-30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30x20 से०मी० रखें। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- मूंग एवं उरद में कीट एवं रोग-व्याधि की नियमित रूप से निगरानी करें। इन फसलों में सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होने वाला एक विनाशकारी रोग पीला मोजैक विषाणु रोग है। इसके शुरुवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती हैं। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरु में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस० एल०/0.3 मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- उरद और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखाड़ कर नष्ट कर दें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। इसके शुरुवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियाँ तथा फलियाँ पूर्ण रूप से पीली हो जाती हैं। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है।
- सभी दुधारू पशुओं को गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से वचाव के लिए टीकाकरण कराएँ। नए गेहूँ के भूसा को खिलाने के पूर्व करीब 2 घंटा पानी में फुला लें एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा 50 ग्राम नमक, चारा-दाना मिलाकर दें।

आज का अधिकतम तापमान: 32.2 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० गुलाब सिंह)

तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

आज का न्यूनतम तापमान: 21.4 डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)